आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक–05 सितम्बर 2025 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जीएसटी का दूसरा चरण राष्ट्र के लिये सहयोग और विकास की दोहरी खुराक। हर वर्ग को मिलेगा लाभ।
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जीएसटी दरों में कटौती का किया स्वागत। कहा– नये युग के जीएसटी को लेकर जो संकल्प प्रधानमंत्री ने देशवासियों के सामने रखा था, अब वह धरातल पर उतर रहा।
- मुख्यमंत्री की मौजूदगी में चीफ डिफेंस स्टॉफ–सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने किया गोरखा युद्ध स्मारक संग्रहालय का शिलान्यास। कहा– हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहा है गोरखा सैनिकों का पराक्रम।
- प्रदेश सरकार हर जिले में सरदार वल्लभ भाई पटेल के नाम पर बनायेगी एंप्लॉयमेंट जोन।

****

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि उनकी सरकार ने जीएसटी में अगली पीढ़ी के सुधार किए हैं। दिल्ली में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों के साथ बातचीत में उन्होंने कहा कि जीएसटी का दूसरा चरण राष्ट्र के लिए सहयोग और विकास की दोहरी खुराक है।

मीडिया के कुछ साथी इसको जीएसटी 2.0 के रूप में कह रहे हैं। लेकिन असल में यह देश के लिए सपोर्ट और ग्रोथ की डबल डोज है। डबल डोज यानी एक तरफ देश के सामान्य परिवार की बचत और दूसरी तरफ देश की अर्थव्यवस्था को नई मजबूती। नये जीएसटी रिफॉर्म से देश के हर परिवार को बहुत बड़ा फायदा होगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि अब जीएसटी और भी सरल हो गया है। उन्होंने कहा कि जीएसटी सुधारों से मध्यम वर्ग, नव मध्यम वर्ग, गरीब, युवा और महिलाओं सबको लाभ होगा।

अब जीएसटी और भी ज्यादा सिंपल हो गया है, सरल हो गया है। जीएसटी के मुख्यतः दो ही रेट रह गए 5ः और 18ः और 22 सितंबर सोमवार जब नवरात्र का पहला दिन है और यह सारी चीजों का मातृशक्ति को साथ संबंध तो बहुत ही रहता है और इसलिए नवरात्रि के इस प्रथम दिवस पर जीएसटी का जो एक रिफॉर्म वर्जन है। नई जेनरेशन रिफॉर्म किया हुआ वो लागू हो जाएगा।

उल्लेखनीय है कि जीएसटी परिषद ने तीस सितम्बर को दैनिक उपयोग की कई वस्तुओं पर दरों में कटौती को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी है। इससे अधिकांश वस्तुएँ और सेवाएँ सस्ती हो जाएंगी। परिषद ने अप्रत्यक्ष कर प्रणाली को 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत की चार–स्तरीय संरचना से सरल बनाकर 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो–स्तरीय संरचना में बदल दिया है। नई दरें इस महीने की 22 तारीख से लागू होंगी।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल गोरखपुर में जीएसटी दरों में कटौती के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत की कर व्यवस्था एक नये युग में प्रवेश कर रही है। स्वाधीनता दिवस के अवसर पर नये युग के जीएसटी को लेकर जो संकल्प प्रधानमंत्री ने देशवासियों के सामने रखा था अब वह धरातल पर उतरता हुआ दिखायी दे रहा है। यह केवल कर सुधार नहीं बल्कि भारत को उच्च विकास दर वाली वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अग्रणी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में एक निर्णायक और महत्वपूर्ण कदम है। रोजमर्रा की वस्तुओं पर कटौती से उपभोग को प्रोत्साहन मिलेगा।

GST अनुपालन अब और सरल होगा। इससे EaseofDoingBusiness को एक नई ऊंचाई प्राप्त होगी। लाखों नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। स्वदेशी से स्वावलंबन की भावना को भी इससे प्रोत्साहन मिलेगा। इस अभूतपूर्व युगांतकारी निर्णय के लिए उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता की ओर से आदरणीय प्रधानमंत्री जी और माननीय केंद्रीय वित्तमंत्री जी को पुनः हृदय से धन्यवाद।

उधर, उद्योग निकायों ने नए जीएसटी सुधारों का स्वागत करते हुए कहा है कि इससे व्यापार सुगमता बढ़ेगी और परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी।

पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष हेमंत जैन ने कहा कि जीएसटी सुधार आम आदमी के जीवन को सुगम बनाएगी और उद्योग जगत के लिए जीएसटी प्रक्रिया को सरल करेगी।

जो प्रधानमंत्री सोचा है उसको इतनी जल्दी इंप्लीमेंट कर दिया था, सोचा नहीं गया था और जो स्पीड है इंप्लीमेंटेशन का बहुत की था फेस्टिवल सीजन आ रहा है लोगों के हाथ में पैसा होगा, तो आई सी दिस इस ए ग्रेटग्रेट इंसेंटिव फॉर द कॉमन मैन और दूसरा इंडस्ट्री के लिए इनको सिंपलीफाई करना है। ये प्रयास है कि जो बिजनेस में इंडिया आगे बढ़े तो ये जीएसटी के लिए रिफॉर्म रहे हैं इसमें इज ऑफ ग्रीन बिजनेस के लिए भी काफी सहयोग रहेगा।

एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया– एसोचौम के महासचिव मनीष सिंघल ने कहा कि नए जीएसटी सुधार देश में उत्पादन और निवेश को बढ़ावा देंगे।

उत्पादन बढ़ेगा, इन्वेस्टमेंट बढ़ेगा तो वह सारा भारत में बढ़ेगा, तो उस हिसाब से भारत में जब ज्यादा चीजें बनेगी तो हम आत्मनिर्भर भी बनेंगे और हमारे आम आदमी के पास हाथ में ज्यादा पैसा होगा तो उससे वह अपनी डेली लाइफ में आसानी ला सकते हैं। एक तरफ सरकार डिजिटलाइजेशन कर रही है जिससे काफी आसानी आई है और दूसरी तरफ हर आदमी की लाइफ इजी हो जाती है।

****

चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ–सीडीएस जनरल अनिल चौहान और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल गोरखपुर के गोरखा रिक्रूटमेंट डिपो–जीआरडी परिसर में पैंतालीस करोड़ रूपये की लागत से प्रस्तावित गोरखा युद्ध स्मारक संग्रहालय का शिलान्यास कर भूमि पूजन किया। इस अवसर पर श्री चौहान ने कहा कि गोरखा सैनिकों का पराक्रम और बलिदान हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहा है। यह स्मारक तीन मायनों में खास है। यह गोरखा सैनिकों को भारतीय सेना की पहचान के रूप में स्थापित करेगा, उनकी बहादुरी और शौर्य की गाथाओं को अमर करेगा और यह भारत और नेपाल के रिश्तों को और मजबूत बनायेगा। सीडीएस ने याद दिलाते हुए कहा कि प्रथम विश्व युद्ध में ही बीस हजार गोरखा सैनिकों ने बलिदान दिया था। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के इस दौर में हम भविष्य की ओर बढ़ते हुए अतीत के बलिदानों को भी याद कर रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गोरखा रेजिमेंट के शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री योगी ने कहा कि इस स्मारक के माध्यम से विरासत की शौर्य गाथाओं को संजोया जा सकेगा, जिससे आने वाली पीढ़ियां उनकी गौरव गाथाओं के बारे में जान सकें।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण–गीडा क्षेत्र में बहुराष्ट्रीय कम्पनी कोकाकोला के प्लांट की आधारशिला रखने के साथ ही दो हज़ार दो सौ इक्यावन करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं से गीडा 15 हज़ार से अधिक लोगों को रोजगार देगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर जिले में सरदार वल्लभ भाई पटेल के नाम पर एंप्लॉयमेंट जोन बनाए जाएंगे। जहां युवाओं को रोज़गार देकर विकसित भारत के लिए विकसित उत्तर प्रदेश के विज़न को मज़बूती से आगे बढ़ाया जा सकेगा।

****

प्रदेश भर में आज ईद–ए–मिलादुन्नबी मनाया जा रहा है। यह हजरत मोहम्मद साहब की यौमे पैदाइश का दिन है। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जिलों में जुलूस–ए–मोहम्मदी निकाला जायेगा। प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए हैं।

****

प्रदेश में रुक रुक कर हो रही बारिश और बांधों से पानी छोड़े जाने के कारण कई नदियां उफान पर हैं। बदायूं, फर्रुखाबाद और बलिया में गंगा, मुज़फ्फरनगर और मथुरा में यमुना, लखीमपुर खीरी में शारदा, बाराबंकी, अयोध्या और बलिया में घाघरा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। पीलीभीत, लखीमपुर ,आगरा, मथुरा समेत 22 जनपदों में तीन लाख 70 हज़ार से अधिक आबादी बाढ़ से प्रभावित है। राहत एवं बचाव कार्य जारी है। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई जिलों में आज भी हल्की बारिश का अनुमान जताया है।

****